कोटद्वार, शुक्रवार
18 अप्रैल 2025
वर्षः 47
अंकः 1 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बागेश्वर। बैजनाथ पुलिस क्षेत्र के तहत गरुड़ निवासी एक किशोरी ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। किशोरी ने घर के अंदर ही घटना को अंजाम दे दिया। बेटी के जिंदा होने की उम्मीद लेकर परिजन उसे सीएचसी बैजनाथ ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मूल रूप से मुरादाबाद उत्तर प्रदेश निवासी 15 वर्षीय तानिया त्यागी पुत्री किशनपाल त्यागी जूनियर हाई स्कूल भगरटोला देवनाई में कक्षा आठवीं में पढ़ती थी। वह पांच वर्षों से यहां सुंदर सिंह किरमोलिया पुत्र रंजीत सिंह किरमोलिया निवासी ग्राम कोटतुलारी के मकान में किराये में रह रही थी। मंगलवार की रात उसने कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने फांसी का फंदा काटकर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर बैजनाथ पुलिस मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार किशन पाल त्यागी का ससुराल कंधार गरुड़ है। वह पेंटर का काम करता हैं। थानाध्यक्ष प्रताप नगरकोटी ने बताया कि प्रथम दृष्टा मामला आत्महत्या का लग रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी।

चट्टान से गिरने पर गुलदार की मौत

विकासनगर। बकरी चुगाने होरावाला वन में गए बुजुर्ग पर गुलदार ने हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गया। बताया जा रहा है कि हमला करने के बाद गुलदार भी चट्टान से नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही वन विभाग की टीम ने गुलदार के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टीम घटना के कारणों की जांच कर रही है। एसएसआई सहसपुर विकास रावत ने बताया कि सूचना मिली कि होरावाला रेंज में एक बुजुर्ग पर गुलदार ने हमला कर दिया है। जिससे वह घायल हो गया है। सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वहां देखा तो होरावाला निवासी शमशाद अली 72 वर्ष पुत्र फकीरा घायल अवस्था में पड़ा था। जिसे तत्काल 108 एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया गया। जानकारी पर पता चला कि घायल बकरियों को चुगाने के लिए कोट नदी के किनारे होरावाला आरक्षी वन क्षेत्र तथा ग्राम समाज की मिलान भूमि पर गया था। इसी दौरान लगभग 12 बजे के करीब मादा गुलदार ने शमशाद पर हमला कर दिया। हमले के कारण शमशाद घायल हो गया। हमला करने के बाद गुलदार भी चट्टान से नीचे गिर गया। जिससे गुलदार की भी मौत हो गई। मौके पर पहुंची वन प्रभागीय अधिकारी कालसी डिवीजन डॉ. शिप्रा शर्मा और रेंज ऑफिसर पंकज ध्यानी ने घटना को लेकर कमेटी गठित कर घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि गुलदार के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। इसके बाद ही गुलदार के मौत के कारणों का असली पता चलेगा।

एमडीडीए ने दो जगहों से की 44 बीघा अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

विकासनगर। अवैध प्लाटिंग के खिलाफ एमडीडीए की कार्रवाई जारी है। गुरुवार को एमडीडीए की टीम ने दो जगह सोरना डोभरी और बाबूगढ़ ढकरानी विकासनगर से 44 बीघा अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। एमडीडीए के ई अभिषेक भारद्वाज ने बताया कि सोरना डोभरी में किसी सैनी और पीसी कपूर की ओर से चालीस बीघा भूमि पर प्लाटिंग की जा रही थी, लेकिन इसके लिए एमडीडीए की अनुमति नहीं ली गई थी। विभाग की ओर से उन्हें नोटिस भी दिया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई जबाब नहीं दिया गया। जिसके बाद संयुक्त सचिव एमडीडीए के निर्देश पर गुरुवार को जेसीबी लेकर अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। वहीं दूसरी सत्या देवी व सुरेश कुमार की ओर से बाबूगढ़ ढकरानी में प्लाटिंग की गई थी। इसकी भी अनुमति एमडीडीए से नहीं ली गई थी। जिसके बाद इसे भी ध्वस्त कर लिया गया। बताया कि टीम में जेई अमनपाल, मनीष, प्रीतम, सिद्वार्थ सेमवाल, अनुराग नौटियाल, सुपरवाइजर प्यारे लाल आदि मौजूद रहे।

डेंगू पॉजिटिव मरीज की मौत, दो नए मरीज निजी अस्पताल में भर्ती

देहरादून। देहरादून में डेंगू पॉजिटिव 42 वर्षीय मरीज की मौत हो गई। जबकि, दो नए मरीज निजी अस्पताल में भर्ती किए गए। इसके साथ ही, जिलेभर में अब तक 18 मरीज डेंगू पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। श्रीमहंत इंदिरेश अस्पताल के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी भूपेंद्र रतूड़ी ने बताया कि नई बस्ती बलबीर रोड निवासी 42 वर्षीय मरीज को किडनी और रेस्पिरेटरी यानी सांस संबंधी गंभीर समस्याओं के चलते पांच अप्रैल को भर्ती किया गया था। उनकी डेंगू की एलाइजा रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई थी। लेकिन,दस अप्रैल को उनकी मौत हो गई। इसके लिए मल्टी ऑर्गन फेलियर को कारण बताया गया।

सीएमओ कार्यालय को डेंगू मरीजों के बाबत लगातार रिपोर्टिंग की जा रही है। दूसरी तरफ,सीएमओ डॉ.मनोज शर्मा का कहना है कि अस्पताल की रिपोर्ट में मरीज को डिस्चार्ज दिखाया गया था,लेकिन मौत की जानकारी नहीं है। सर्वे के दौरान मरीज को किडनी और सांस की दिक्कत सामने आई थी। परिजनों से संपर्क नहीं हो पाया था। इस मामले में और जानकारियां जुटाई जा रही हैं, टीम को अस्पताल और मृतक के घर भेजकर डेथ ऑडिट करवाया जाएगा।

चकराता और सपेरा बस्ती के मरीज भर्ती

सीएमओ डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि दून में बुधवार को चकराता के कंडोई और रायपुर की सपेरा बस्ती से डेंगू के दो नए मरीज भर्ती हुए। दोनों को श्रीमहंत इंदिरेश अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुधवार को 56 मरीजों की जांच की गई। अब तक 18 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 12 देहरादून, छह मरीज दूसरे शहरों के हैं। अब तक कुल 867 मरीजों की जांच हुई है। 12 मरीज विभिन्न अस्पतालों से डिस्चार्ज हो चुके हैं और छह भर्ती हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी से हटाया डेंगू का चार्ज

जिला मलेरिया अधिकारी सुभाष जोशी से डेंगू का चार्ज हटा दिया गया है। सीएमओ ने डेंगू के मामलों के बारे में नहीं बताने पर यह कार्रवाई की। सीएमओ डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि जोशी केवल मलेरिया रोकथाम का काम देखेंगे। वहीं, एसीएमओ डॉ. सीएस रावत और डॉ. एनके त्यागी नोडल, जबकि डॉ. पीयूष अगस्टीन को सह नोडल बनाया गया है।

डेंगू लक्षण वाले मरीजों की जांच 1100 रुपये में होगी

दून में डेंगू मामले आने पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू जांच की दरें भी निर्धारित कर दी हैं। सीएमओ डॉ. मनोज शर्मा ने सभी लैबों को रेट लिस्ट चस्पा करने के निर्देश दिए। इससे अधिक दर पर जांच किए जाने पर कार्रवाई के लिए चेताया। अस्पतालों को बेड रिजर्व करने को भी कहा। स्कूलों में बच्चों को पूरी आस्तीन में बुलाने के लिए कहा। लोगों से भी अपील की कि वे पानी न जमा होने दें और एहतियात बरतें।

अगले आदेश तक वक्फ में कोई नई नियुक्ति नहीं, सरकार को जवाब के लिए दी 7 दिन की मोहलत

नई दिल्ली ,वक्फ कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए 7 दिन का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा है कि वक्फ संपत्ति में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी वक्फ की स्थिति जैसी है वैसी ही रहेगी। वक्फ कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं कोर्ट में दायर की गई है।

इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दलील दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल वक्फ बोर्ड और काउंसिल में कोई नियुक्ति न हो। इसपर तुषार मेहता ने कहा कि सरकार अभी नियुक्ति नहीं करने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह नहीं चाहता कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो। सरकार के जवाब तक यथास्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही अगले आदेश तक नई नियुक्तियां भी नहीं होगी।

उत्तराखंड में मौसम के तेवर तल्ख, अधड़ व ओलावृष्टि की चेतावनी

अगले तीन दिन अलर्ट पर सभी जिले

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम के तेवर तल्ख हो गए हैं। पहाड़ से मैदान तक आंशिक बादल मंडरा रहे हैं। कहीं–कहीं अंधड़ के साथ बौछारें और कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी दर्ज की जा रही है। हालांकि, मैदानी क्षेत्रों में तापमान में वृद्धि होने से दिनभर गर्मी बेहाल कर रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में बादलों का डेरा रह सकता है। पर्वतीय जिलों में गरज–चमक के साथ तीव्र बौछारें, ओलावृष्टि व अंधड़ चलने को लेकर चेतावनी दी गई है। वहीं, शनिवार को प्रदेशभर में ही ओलावृष्टि, अंधड़ को लेकर ऑरेंज अलर्ट है। इसे देखते हुए राज्य आपातकाल परिचालन केंद्र की ओर से सभी जिलों को सतर्क रहने और एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी गई है।

दून में अंधड़ और तीव्र बौछारें

गुरुवार को दिनभर दून समेत आसपास के क्षेत्रों में धूप खिली रही। हालांकि, पर्वतीय क्षेत्रों में बादल मंडराते रहे। मैदानी क्षेत्रों में तापमान में भी वृद्धि दर्ज कही गई और दिनभर उमस ने भी बेहाल किया। हालांकि, बुधवार मध्य रात्रि के बाद दून में अंधड़ और तीव्र बौछारें पड़ीं।

ऑरेंज अलर्ट जारी

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, आज उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, देहरादून व पौड़ी में कहीं–कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने एवं कहीं–कहीं 30–40 किमी/घंटा और शनिवार को देहरादून, पौड़ी, चंपावत, नैनीताल, ऊधम सिंह नगर व हरिद्वार में कहीं–कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि 60 से 70 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है। इसके लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम का यह मिजाज रविवार को भी बना रह सकता है।

योगी सरकार दो लाख से अधिक युवाओं को देगी रोजगार

लखनऊ ,योगी सरकार पिछले आठ वर्षों में प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नए–नए अवसर प्रदान कर रही है। इसी क्रम में योगी सरकार प्रदेश के दो लाख से अधिक युवाओं को अब अग्निशमन विभाग द्वारा प्रशिक्षण के बाद निजी संस्थानों में अग्नि सुरक्षा अधिकारी और अग्नि सुरक्षा कर्मी के पद पर तैनाती के अवसर उपलब्ध कराएगी। इसके लिए सीएम योगी के निर्देश पर विभाग ने कार्ययोजना तैयार कर ली है। इन युवाओं को ट्रेनिंग के बाद प्रदेश के मॉल, हॉस्पिटल, स्कूल और बड़े व्यावसायिक भवनों में नौकरी के अवसर उपलब्ध होंगे।

योगी सरकार की यह पहल एक ओर जहां प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ेगी, वहीं दूसरी ओर प्रदेश को अधिक सुरक्षित, सजग और समय रहते आपदा से निपटने में सक्षम बनाएगी। इसी के साथ उत्तर प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन जाएगा, जहां युवाओं को अग्निशमन का प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

अग्निशमन विभाग की एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश के निजी भवनों में सिक्योरिटी गार्ड की तरह अनिवार्य रूप से अग्नि सुरक्षा अधिकारी और अग्नि सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके लिए योग्यता के मानक भी तय कर लिए गए हैं। विभाग द्वारा प्रदेश के इच्छुक युवाओं को एक हफ्ते से लेकर चार हफ्ते की ट्रेनिंग दी जाएगी।

भीमगोड़ा से हरकी पैड़ी तक 45 अतिक्रमण हटाएं

हरिद्वार। नगर निगम और पुलिस की टीम ने गुरुवार को भीमगोड़ा से हरकी पैड़ी तक 45 अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। निगम की टीम ने 20 से अधिक लोगों का सामान भी जब्त किया। धर्मनगरी में इन दिनों चारधाम यात्रा को देखते हुए सड़कों पर पसरे अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी है। बुधवार को वाल्मीकि चौक के बाद गुरुवार को भीमगोड़ा, काली मंदिर, कांगड़ा मंदिर और हरकी पैड़ी के आसपास अभियान चलाया गया। इस दौरान निगम की टीम का हल्का विरोध भी हुआ। शुक्रवार को छुट्टी के कारण अभियान नहीं चलाया जाएगा, शनिवार और सोमवार को भूपतवाला और हरकी पैड़ी के आसपास अभियान चलाया जाएगा। टीम में नगर निगम की ओर से वरिष्ठ लिपिक राजेंद्र घाघट, हरकी पैड़ी चौकी प्रभारी संजीत कंडारी, आदित्य, सोनू पुनित आदि मौजूद रहे।

सरकार ने इकोलॉजी और इकॉनोमी में संतुलन वाले विकास के मॉडल को चुना : धामी

राज्य में 16 लाख स्मार्ट मीटर लगाकर टेक्नोलॉजी के माध्यम से लाई गई पारदर्शिता

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन, देहरादून में ऊर्जा निगमों के कार्मिकों द्वारा आयोजित 'स्वागत एवं अभिनन्दन' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 में देहरादून में विश्व स्तरीय आपदा प्रबंधन सम्मलेन आयोजित किया गया था। आपदाओं को रोका नहीं जा सकता पर आपदाओं के प्रभाव को कम किया जा सकता राज्य सरकार ने इकोलॉजी और इकोनॉमी में संतुलन वाले विकास के मॉडल को चुना है। इकॉनमी और इकोलॉजी के बीच समन्वय बनाकर ग्रीन एनर्जी के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अन्तर्गत लगभग 20,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र किए गए स्थापित। उत्तर-खण्ड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा ऊर्जा निगमों के कार्मिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया गया। मुख्यमंत्री ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभिनंदन की असली हकदार उत्तराखंड प्रदेश की जनता है, जिन्होंने प्रदेश की सेवा करने का अवसर दिया। कहा कि ऊर्जा प्रदेश उत्तराखंड की मूल अवधारणा में था। उत्तराखण्ड को पॉवर सरप्लस राज्य बनाने के लिए सबको समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा भारत सरकार का राज्य सरकार को हर योजना पर सहयोग मिल रहा है। विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी रैंकिंग में यूपीसीएल ने विशेष श्रेणी डिस्कॉम में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार, उत्तर-खण्ड को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए संकल्पित है। बिजली उत्पादन के लिए लखवाड़ बांध परियोजना, जमरानी बांध बहुउद्देश्यीय परियोजना और देहरादून में आने वाले 50 सालों में पेयजल की समस्याओं को दूर करने के लिए सौंग बांध परियोजना पर कार्य गतिमान है। राज्य में अत्याधुनिक जीआईएस (गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन) उपकेंद्रों की स्थापना भी जारी है। उन्होंने कहा कि राज्य में 16 लाख स्मार्ट मीटर लगाकर टेक्नॉलजी के माध्यम से पारदर्शिता लाने का कार्य किया गया है।

गुस्से में धनखड़ बोले—अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती

सरकार के खिलाफ अदालत के हाथ लगा परमाणु बम

नई दिल्ली ,उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 145(3) के तहत सुप्रीम कोर्ट को केवल संविधान की व्याख्या करने का अधिकार है और वह भी कम से कम पांच जजों की पीठ द्वारा।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, हम ऐसी स्थिति नहीं ला सकते, जहां राष्ट्रपति को निर्देश दिया जाए। संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट का अधिकार केवल अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने कहा कि जब यह अनुच्छेद बनाया गया था, तब सुप्रीम कोर्ट में केवल आठ जज थे और अब 30 से अधिक हैं। हालांकि, आज भी पांच जजों की पीठ ही संविधान की व्याख्या करती है। उपराष्ट्रपति ने पूछा कि क्या यह न्यायसंगत है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि राष्ट्रपति को कोर्ट द्वारा निर्देशित किया जाएगा। राष्ट्रपति भारत की सेना की सर्वोच्च कमांडर हैं और केवल वही संविधान की रक्षा, संरक्षण और सुरक्षा की शपथ लेते हैं। फिर उन्हें एक निश्चित समय में निर्णय लेने का आदेश कैसे दिया जा सकता है।

उन्होंने कहा, हाल ही में जजों ने राष्ट्रपति को लगभग आदेश दे दिया और उसे कानून की तरह माना गया, जबकि वे संविधान की ताकत को भूल गए। अनुच्छेद 142 अब लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ एक ह्यान्यूक्लियर मिसाइलह्ल बन गया है, जो चौबीसों घंटे न्यायपालिका के पास उपलब्ध है। धनखड़ ने ह्यबेसिक स्ट्रक्चरह्ल सिद्धांत को लेकर भी पूर्व न्यायाधीशों पर निशाना साधा। उन्होंने एक पूर्व जज द्वारा लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह का जिक्र किया, जिसमें इस सिद्धांत की प्रशंसा की गई थी।

बाइक सवार की मौत

हरिद्वार। नजीबाबाद–हरिद्वार हाईवे पर लाडपुर तिराहे के पास बुधवार शाम को रोडवेज बस एक बाइक उत्तराखंड रोडवेज की बस के नीचे जा घुसा। इससे बाइक बस के नीचे फंस गई और उसमें सवार युवक बुरी तरह घायल हो गया। श्यामपुर पुलिस ने 108 एम्बुलेंस की मदद से युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि निर्माणाधीन हाईवे पर वन वे ट्रैफिक होने की वजह से बाइक सवार सामने से आ रही बस को नहीं देख पाया। बताया कि इस क्षेत्र में हाईवे पर कोई सिंबल या साइन बोर्ड नहीं लगाया गया है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। थानाध्यक्ष श्यामपुर नितेश शर्मा ने बताया कि रोडवेज और बाइक की टक्कर में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक युवक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। निर्माणाधीन हाईवे पर सूचना चिह्न और सिंबल नहीं होने से दुर्घटना हो रही हैं।

'एयरो इंजन का निर्माण अभी भी एक चुनौती'

राजनाथ सिंह बोले-'देश की बढ़ती रक्षा क्षमताएं संघर्ष भड़काने के लिए नहीं'

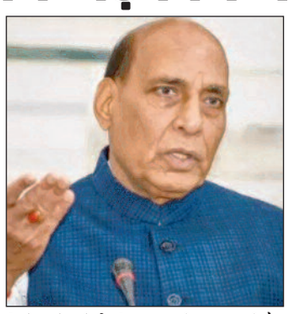

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमताएं किसी संघर्ष को भड़काने के लिए नहीं हैं। बल्कि यह देश की सुरक्षा के लिए विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता बनाती हैं। ताकि शांति और समरसता बनी रहे। शांति तभी स्थापित रह सकती है, जब हम बेहद ताकतवर हों। उन्होंने कहा कि अब विकसित देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने की दिशा में एयरो इंजन का निर्माण अभी भी एक चुनौती बना हुआ है। घातक युद्धक विमानों में लगने वाले जेट इंजनों के निर्माण के लिए कावेरी इंजन परियोजना में देरी हो रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को 'डिफेंस कानक्लेव–2025' को संबोधित करते हुए कहा कि कावेरी इंजन परियोजना के लिए वैश्विक कंपनियों जैसे– साफरान, जीई व रॉल्स रॉयस से इसके घरेलू निर्माण ईकाई के लिए बातचीत चल रही है।

स्वदेशी जेट इंजन बनाने की योजना पर हो रहा काम

कावेरी परियोजना के जरिये भारत के युद्धक विमानों के लिए स्वदेशी जेट इंजन बनाने की योजना है। लेकिन सरकार अभी तक इसे मूर्तरूप नहीं दे पाई है। उन्होंने भारत की बढ़ती रक्षा क्षमताओं पर कहा कि मिसाइल तकनीक (अग्नि, ब्राह्मोस मिसाइलें), पनडुब्बी (आइएनएस अरिहंत), विमानवाहक युद्धपोत (आइएनएस विक्रांत), ड्रोन, साइबर डिफेंस और हाइपरसोनिक प्रणालियों के क्षेत्र में भारत विकसित देशों से मुकाबला कर रहा है। वह दिन अब दूर नहीं जब भारत नासिर्फ एक विकसित देश के रूप में उभरेगा बल्कि हमारी सैन्य शक्ति भी दुनिया में नंबर एक पर होगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार हो जाने वाली है जबकि वर्ष 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों के निर्माण का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा निर्माण क्षमताएं बढ़ाने का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देना है।

उत्तराखंड पर्यटन को विश्वभर में सम्मान दिलाया रिनचेन ने:महाराज

धर्मस्व मंत्री ने साधना ध्यान उपवन (रुद्र समतेन गत्सल) किया उद्घाटन

नैनीताल। वेन कुंगा रिनचेन ने केवल भारत में ही नहीं, बल्कि यूरोप, नेपाल, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका जैसे अनेक देशों में जाकर बौद्ध धर्म का प्रचार–प्रसार करने के साथ–साथ उत्तराखंड की संस्कृति, शांति और आध्यात्मिकता का भी वैश्विक स्तर पर परिचय करवाया।

उक्त बात प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने गुरुवार को जनपद नैनीताल के चोरसा स्थित साधना ध्यान उपवन (रुद्र समतेन गत्सल) के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहीं। उन्होंने कहा कि आज का यह आयोजन केवल एक भवन के लोकार्पण का नहीं, बल्कि यह एक आध्यात्मिक संकल्प, निःस्वार्थ सेवा, और समर्पण की भावना का उत्सव है।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि यह केंद्र, जो चोरसा गांव की शांत वादियों में स्थापित हुआ है, एक साधक की तपस्या और दूरदृष्टि का साकार रूप है। उन्होंने वेन. कुंगा रिनचेन (आनन्द लामा) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केंद्र न केवल एक दिव्य धरोहर है बल्कि यह उत्तराखंड की आध्यात्मिक चेतना को भी एक नई ऊँचाई प्रदान करता है। वेन. कुंगा रिनचेन जी केवल एक धर्मगुरु नहीं हैं वे एक जनसेवक, एक द्रष्टा, और एक सांस्कृतिक दूत हैं। उन्होंने वर्षों तक उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर जरूरतमंदों को कंबल, राशन, दवाइयाँ और जीवनोपयोगी सामग्री प्रदान की। उनके द्वारा स्थापित रत्न एवं ज्ञान चैरिटेबल ट्रस्ट इसके अनेक प्रमाण प्रस्तुत करता है। मंत्री महाराज ने बताया कि वेन. कुंगा रिनचेन ने वर्ष 2008 से, जब वे देहरादून स्थित सक्या सेंटर, राजपुर रोड के प्रधानाचार्य थे, तभी से पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने स्वच्छता अभियानों, वृक्षारोपण कार्यक्रमों तथा पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) प्रक्रियाओं से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन प्रारंभ किया, जो आज भी नियमित रूप से जारी हैं। यह प्रयास उनकी पर्यावरण के प्रति जागरूकता, समाज सेवा और दूरदृष्टि का स्पष्ट प्रमाण हैं। वह न केवल भारत में अपितु यूरोप, नेपाल, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका जैसे अनेक देशों में जाकर बौद्ध धर्म का प्रचार–प्रसार करने के अलावा उत्तराखंड की संस्कृति, शांति और आध्यात्मिकता का भी वैश्विक स्तर पर परिचय करवाया। उन्होंने अपने निजी प्रयासों से उत्तराखंड पर्यटन को विश्वभर में सम्मान दिलाया है।

मंत्री महाराज ने कहा कि डुब्ड्रा समतेन गात्सल, साधना ध्यान उपवन केवल एक ध्यान केंद्र नहीं है बल्कि यह एक ऐसी ऊर्जा स्थली है, जो आने वाले समय में न केवल ध्यान और साधना का केंद्र बनेगी, बल्कि यह उत्तराखंड के धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को भी एक नई दिशा देगी। उन्होंने उत्तराखंड सरकार की ओर से आश्वस्त किया कि साधना ध्यान उपवन (रुद्र समतेन गत्सल) के ऐसे सभी सकारात्मक, आध्यात्मिक एवं समाजसेवी प्रयासों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। हमारी सरकार का यह दृढ़ विश्वास है कि उत्तराखंड केवल देवभूमि नहीं, बल्कि यह एक ऐसी धरती है जहाँ ध्यान, साधना और ऊर्जा स्वयं उपस्थित हैं। और ऐसे केंद्र इस ऊर्जा को जागृत और संरक्षित करते हैं।

सम्पादकीय

"ऑपरेशन प्रहार" एक उम्मीद

साइबर ठगी के मामलों में उत्तराखंड पुलिस ने पिछले कुछ वर्षों में सराहनीय कार्य किया है। अच्छी बात यह है की उत्तराखंड की साइबर टीम ने ऐसे मामलों का भी पटाक्षेप किया जिनमें समझा जाता था कि एक बार अपराध होने के बाद अपराधियों तक पहुंचना नामुमकिन है। इधर साइबर ठगों के खिलाफ उत्तराखंड एसटीएफ ने एक नई मुहिम शुरू की है जिसे ऑपरेशन प्रहार का नाम दिया गया है। एसटीएफ के अधीन साइबर अपराध थानों की टीमें अलग–अलग राज्यों में जाकर साइबर ठगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। ऑपरेशन प्रहार के तहत लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए पहले चरण में सात राज्यों में 272 साइबर अपराधियों पर टीम की नजर रहेगी तथा दूसरे चरण में 22 राज्यों के चिन्हित 65 साइबर अपराधी उत्तराखंड साइबर टीम बेनकाब करने की और बढ़ेगी। उत्तराखंड में साइबर थानों में लगभग 200 मुकदमों में इन अपराधियों को चिन्हित किया गया है इनमें सबसे अधिक संख्या दिल्ली के साइबर ठगों की है, जबकि दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है। एसटीएफ उत्तराखंड ने साइबर ठगी के अलग–अलग तरीकों पर गहराई से कार्य किया है और कई मामलों में अच्छी सफलताएं अर्जित की है। यही कारण है कि उत्तराखंड एसटीएफ की साइबर टीम पर आमजन का भरोसा भी बढ़ा है और लोग अपने साथ होने वाली साइबर ठगी की शिकायत लेकर पहुंच भी रहे हैं। साइबर ठगी के मामलों में आजकल सीधे तौर पर लोगों के बैंक अकाउंट पर नजर रखी जा रही है। इनमें खास तौर से डिजिटल अरेस्ट, ई ट्रेडिंग फॉड, ऑनलाइन यात्रा व होटल बुकिंग, नौकरियां तथा लॉटरी का झांसा देकर बैंक खाता खाली किया जा रहे हैं। साइबर अपराध के नए–नए तरीके पुलिस के लिए भी एक बड़ी परेशानी पैदा कर रहे हैं तो वही आम जनता जब तक किसी एक ठगी के तरीके को समझती है तब तक साइबर ठग नया रास्ता निकाल लेते हैं। इसी तरह उत्तराखंड में यात्रा के पंजीकरण के नाम पर भी साइबर ठगी के मामले प्रकाश में आए हैं, 20 अप्रैल से चार धाम यात्रा शुरू होने वाली वाली है और यह चिंता का विषय हो सकता है कि चार धाम यात्रा एवं हेली बुकिंबक नाम पर ठगी शुरू हो जाए। समय अब ऐसा आ गया है कि इंटरनेट का प्रयोग करते वक्त अब आंख और कान दोनों अच्छे तरीके से सतर्क खुले रहने चाहिए अन्यथा एक छोटी सी भूल बड़ा नुकसान दे सकती है। उत्तराखंड एसटीएफ की साइबर टीम सराहना की पात्र है जो सीमित संसाधनों के बावजूद भी साइबर ठगी के महा समुद्र में पीड़ितों को राहत देने के साथ साथ साइबर अपराध पर रोकथाम लगाने की उम्मीदें तलाश रही है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः अजूबा नहीं

समय बदला, विज्ञान ने रोज़मर्रा की ज़िंदगी में पहले रेडियो, फिर टेलीविजन, मोबाइल और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के रूप में हमारी जिंदगी आसान बनाने के लिए हस्तक्षेप बढ़ाया है। आज एआई हमारी बातचीत, सोच, कामकाज, और यहां तक कि निर्णयों तक को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में एआई के लाभ और हानि पर विचार करना आवश्यक हो गया है। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता वह तकनीक है, जो मशीनों को सीखने, तर्क करने और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। वर्ष 2025 में वैश्विक एआई बाज़ार 244.22 बिलियन तक पहुँच चुका है, और 2031 तक इसके 26.6त्न की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की संभावना है। यह दर्शाता है कि यह तकनीक केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की भी एक सशक्त वास्तविकता है।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

एआई कोई अजूबा नहीं, बल्कि मानव मस्तिष्क की ही एक उपज है। यह हमारी जीवनशैली को अधिक आरामदायक, सुलभ और प्रभावशाली बना सकती है–बशर्ते हम इसे विवेक और संतुलन के साथ अपनाएँ।

विद्यालय के दिनों में विज्ञानः लाभ और हानि जैसे विषयों पर भाषण, वाद–विवाद और निबंध लिखना आम बात थी। समय बदला, विज्ञान ने रोज़मर्रा की ज़िंदगी में पहले रेडियो, फिर टेलीविजन, मोबाइल और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के रूप में हमारी जिंदगी आसान बनाने के लिए हस्तक्षेप बढ़ाया है। आज एआई हमारी बातचीत, सोच, कामकाज, और यहां तक कि निर्णयों तक को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में एआई के लाभ और हानि पर विचार करना आवश्यक हो गया है। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता वह तकनीक है, जो मशीनों को सीखने, तर्क करने और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। वर्ष 2025 में वैश्विक एआई बाज़ार 244.22 बिलियन तक पहुँच चुका है, और 2031 तक इसके 26.6त्न की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की संभावना है। यह दर्शाता है कि यह तकनीक केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की भी एक सशक्त वास्तविकता है।

ए.आई. के लाभ

एआई के उपयोग से दक्षता और उत्पादकता में जबरदस्त वृद्धि हुई है। यह 24/7 कार्य कर सकती है, मानव त्रुटियों को कम करती है, और डेटा विश्लेषण द्वारा निर्णय लेने में सहायता करती है। स्वास्थ्य, वित्त और निर्माण जैसे क्षेत्रों में यह क्रांतिकारी बदलाव ला रही है।

उदाहरण के लिए, विनिर्माण इकाइयों में एआई संचालित रोबोट उत्पादन को सुव्यवस्थित करते हैं। एआई आधारित चैटबॉट्स ग्राहक सहायता को बेहतर बनाते हैं–नेटफ्लिक्स की एआई सिफारिशें सालाना 1 बिलियन का मुनाफा कमा रही हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में एआई नई दवाओं की खोज को गति दे रही है–जैसे नवीडिया और फाइज़र का 80 मिलियन का निवेश। यह खतरनाक कार्यों में मानव जीवन की रक्षा करती है, और पर्यावरणीय मॉडलिंग से जलवायु संकट की समझ को बेहतर बनाती है। एआई का सबसे बड़ा योगदान यह है कि यह हर व्यक्ति के पास जानकारी और समाधान की पहुंच संभव बनाता है। इसके चलते शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के नए द्वार खुल रहे हैं।

ए.आई. के नुकसान

हर क्रांति की एक कीमत होती है। एआई के आगमन से स्वचालन बढ़ा है, जिससे पारंपरिक नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है। एचआर, ग्राहक सेवा, लेखांकन जैसे क्षेत्रों में मानव संसाधनों की आवश्यकता घट रही है।

एआई को लागू करने की लागत भी ऊँची है–हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, और विशेषज्ञों की जरूरत छोटे व्यवसायों के लिए चुनौती है। गोपनीयता की बात करें तो एआई विशाल डेटा पर आधारित है, जिससे डेटा उल्लंघन, निगरानी, और एल्गोरिदमिक पक्षपात जैसे खतरे बढ़ जाते हैं। एआई का अत्यधिक उपयोग मानवीय संबंधों और संवेदनशीलता को भी प्रभावित कर सकता है–यह भावनाओं को नहीं समझ सकती, जो कि स्वास्थ्य सेवा और मानसिक परामर्श जैसे क्षेत्रों में ज़रूरी हैं।भविष्य की सबसे बड़ी चिंता यह है कि एआई कहीं ऐसी दिशा में न बढ़ जाए, जहाँ उसका नियंत्रण मानव के हाथों से निकल जाए। जनरेटिव एआई कभी–कभी भ्रामक जानकारी भी दे सकता है, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है।

यह मानना होगा कि एआई मानव का विकल्प नहीं, सहायक है। हमें इससे भयभीत होने की बजाय इसके लाभों का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए, और इसकी सीमाओं को समझते हुए मानवीय संवेदनाओं, कला, संस्कृति और मौलिकता की रक्षा करनी चाहिए।

एआई हमारे समय की वह क्रांति है, जो सही दिशा में उपयोग हो तो मानव जाति के लिए वरदान साबित हो सकती है–और गलत दिशा में गई तो चुनौती। ज़रूरत है इसे नियंत्रित नवाचार के सकारात्मक रास्ते पर आगे बढ़ाने की। जहां मानवीय क्षमता कुछ वर्किंग घंटे प्रतिदिन से अधिक नहीं हो सकती, ऐ आई हमारे लिए चौबीसों घंटे बिना थके लगातार काम कर सकता है। हम किसी काम को आज की जगह कल पर टाल सकते हैं, किंतु ए आई तुरत फुरत ही काम निपटाता है। बस हमें इसे सही प्राम्पट देने की आवश्यकता होती है। इसलिए ए आई के बढ़ते प्रयोग से प्राम्पट इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ भी रहे हैं । यह इस नई टेक्नोलॉजी का सकारात्मक प्रभाव है।

भारतीय न्यायपालिका की गौरवशाली परंपरा

हिमानी रावत

भारतीय न्यायपालिका की एक गौरवशाली परंपरा रही है। हमारी न्यायपालिका ने संविधान और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए कई बार ऐसे ऐतिहासिक फैसले किए हैं जिनकी चर्चा विश्व न्याय जगत में हमेशा होती रही है।

एक तथ्य और उल्लेखनीय है कि हमारे सुप्रीम कोर्ट के प्रत्येक मुख्य न्यायाधीश ने अपने कार्यकाल में कुछ ना कुछ नवाचार जरूर किया है। इस परंपरा के अपवाद मौजूदा मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना भी नहीं हैं। उन्होंने न्यायपालिका की पारदर्शिता के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी न्यायाधीशों की संपत्ति को सवीच्च न्यायालय के अधिकृत पोर्टल पर डालकर बेहद प्रेरणादाई कदम उठाया है।

दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन और इलाहाबाद हाई कोर्ट के मौजूदा जज न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के प्रकरण के बाद जब न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता की मांग सार्वजनिक विमर्श में है, सुप्रीम कोर्ट के सभी वर्तमान न्यायाधीशों के द्वारा न्यायालय की वेबसाइट पर विवरण प्रकाशित करके अपनी संपत्ति का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने पर सहमति व्यक्त करना सुखद ही है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है,जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय

ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु–परंतु हो सकते हैं। जनता हमेशा से ही पंच–परमेश्वरों की स्वच्छ–धवल छवि की आकांक्षा रखती है। न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति के खुलासे का मुद्दा दशकों तक सार्वजनिक विमर्श में उठता रहा है। ध्यान रहे वर्ष 1997 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार उसके सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी थी। इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को ये विवरण उनके राज्य के मुख्य न्यायाधीशों के समक्ष पेश करने थे। हालांकि इस प्रस्ताव के साथ एक शर्त भी जुड़ी थी कि ये घोषणाएं स्वैच्छिक और गोपनीय रहेंगी। इसके बाद वर्ष 2005 के सूचना के अधिकार अधिनियम को भी एक उम्मीद की किरण के रूप में देखा गया। हालांकि इसमें भी एक प्रावधान के अनुसार सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीशों को व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करने को लेकर छूट दी गई थी।

तर्क दिया गया था कि जब तक व्यापक सार्वजनिक हित में जरूरी न हो, न्यायाधीशों संबंधी व्यक्तिगत सूचनाएं गोपनीय रखी जाएं। दरअसल,इन प्रावधानों से न्यायाधीशों की संपत्ति की घोषणाओं की मांग करने वाले याचिक-ाकर्ताओं के लिए एक अवरोध पैदा हुआ। हालांकि इसके बावजूद पारदर्शिता बढ़ाने की प्रक्रिया लगातार जारी रही। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की अनुमति देते हुए कहा था कि सूर्य का प्रकाश वास्तव में सबसे अच्छा कीटाणुनाशक है। बहरहाल, निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यह सुखद है कि अब सीजेआई संजीव खन्ना की पहल के कारण सुप्रीम कोर्ट के सभी न्यायाधीश अपनी व्यक्तिगत संपत्ति का ब्यौरा देने लगे हैं। इस तरह के फैसले का दूरगामी प्रभाव भी होगा। दरअसल,इस दिशा में किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का व्यापक स्वागत किया जाना चाहिए। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। देश का आम आदमी न्यायाधीशों को सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उतरना देखना चाहता है। यह न्याय की शुचिता की भी अनिवार्य शर्त है।

नेपाल को हल्के में लेने की भूल न करे भारत

वसी जैदी

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में राजशाही को बहाल करने की मांग को लेकर, जो भारी बवाल मचा हुआ है, उससे भारत को सतर्क रहना होगा। इसका कारण नेपाल की घटनाएं भारत पर भी असर डाल सकती हैं। इसमें कोई शक नहीं कि नेपाल की मौजूदा केपी शर्मा ओली सरकार का झुकाव पूरी तरह से चीन की ओर है। यह भी छिपा हुआ तथ्य नहीं है कि चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश और भारत के जिस हिस्से पर दावा कर रहा है वो सब नेपाल की सीमा से सटे हुए राज्य हैं। इसलिए भारत नेपाल की घटनाओं को आंख मूंदकर नहीं देख सकता। फिलहाल भारत ने वेट एंड वॉच की नीति अपनाई है। जो सही भी है। वैसे भी पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय से भारत की नीति यही है कि किसी भी संप्रभु देश में किसी अन्य देश को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। बहरहाल,बीते कई दिनों से काठमांडू में सुरक्षाकर्मियों और राजशाही समर्थक कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हो रही हैं। इस दौरान दो बार कर्फ्यू भी लगाना पड़ा था। इन घटनाओं के बाद से नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह आमने–सामने आ गए हैं। दरअसल, साल 1768 में गोरखा राजा पृथ्वी नारायण शाह ने कई रजवाड़ों को एक साथ लाकर नेपाल की नींव रखी थी। इसके बाद उन्होंने भदगांव, काठमांडू और पाटन पर जीत हासिल की और नेपाल का एकीकरण किया। नेपाल की पहचान एक हिंदू राष्ट्र के तौर पर थी। लगभग 240 वर्षों तक राजशाही जारी रही। लगभग 18 वर्ष चले लंबे संघर्ष के बाद साल 2008 में नेपाल के राजनीतिक दलों ने संसद की घोषणा के माध्यम से राजशाही को खत्म कर दिया था। इसके बाद नेपाल को हिंदू राष्ट्र के बजाय एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया गया था। वस्तुतः नेपाल में लोकतंत्र के लिए पहला आंदोलन 1950 के दशक में हुआ। इसके बाद देश में नया संविधान बनाकर चुनाव भी हुए। हालांकि, इसके कुछ ही समय बाद नेपाल के तत्कालीन राजा महेंद्र ने संसद को भंग कर के लोकतांत्रिक सरकार को हटा दिया। इसके बाद 1990 के दशक में नेपाल में लोकतंत्र के लिए एक और आंदोलन हुआ। तब तत्कालीन राजा बीरेंद्र ने संविधान में सुधारों को स्वीकार कर लिया। इसके बाद एक बहुदलीय संसद की स्थापना हुई। साल 2008 में एक शांति समझौता हुआ और नेपाल में 240 साल पुरानी राजशाही का अंत हो गया। बहरहाल, नेपाल के पूर्व पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र शाह ने फरवरी में लोकतंत्र दिवस पर कहा था कि अब समय आ गया है जब हमें देश की सुरक्षा और एकता के लिए जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इसके बाद से ही राजतंत्र के समर्थक पूरे देश में सक्रिय हो गए हैं। पूर्व राजा के समर्थक गत कई दिनों से काठमांडू और पोखरा सहित देश के विभिन्न हिस्सों में रैलियां निकाल रहे हैं और राजशाही को पुनः बहरहाल करने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, नेपाल में राजशाही की मांग करने वाले संगठनों ने देश के राजनीतिक दलों पर भ्रष्टाचार में डूबने का आरोप लगाया है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की नई फिल्म कोस्टाओ का ऐलान

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक बार फिर से अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं. उनकी नई फिल्म कोस्टाओ का ऐलान कर दिया गया है. यह फिल्म एक बायोपिक है, जिसमें नवाजुद्दीन, कस्टम अधिकारी कोस्टाओ फर्नांडीज की भूमिका निभाएंगे. फिल्म का निर्देशन सेजल शाह कर रहे हैं और इसे विनोद भानुशाली प्रोड्यूस कर रहे हैं. कोस्टाओ एक ऋइम ड्रामा फिल्म है, जो 1990 के दशक में गोवा में सोने की तस्करी के खिलाफ लड़ी गई लड़ाई की सच्ची कहानी पर आधारित है. यह फिल्म उस दौर की कहानी है, जब भारत में तस्करी का बोलबाला था और गोवा इसके केंद्र में था. समुद्र के रास्ते सोने की अवैध तस्करी होती थी, जिसे रोकने के लिए एक बहादुर कस्टम अधिकारी कोस्टाओ फर्नांडीज ने अपने जीवन को दांव पर लगा दिया. नवाजुद्दीन सिद्दीकी इसी किरदार में नजर आएंगे. फिल्म में एक्शन, थ्रिल और रियल ड्रामा भरपूर होगा, जो दर्शकों को 90 के दशक के उस खतरनाक दौर की सैर कराएगा. फिल्म कोस्टाओ को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज किया जाएगा. फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी गंभीर और रफ–टफ लुक में नजर आ रहे हैं. पोस्टर को देखकर ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह फिल्म एक इंटेंस और थ्रिल से भरी हुई कहानी लेकर आएगी.

सुरुचि और सौरभ की जोड़ी ने रचा इतिहास, शूटिंग वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल पर साधा निशाना

नई दिल्ली , सुरुचि फोगाट और सौरभ चौधरी की स्टार भारतीय जोड़ी ने पेरू के लीमा में अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में स्वर्ण पदक पर निशाना साधा है. उन्होंने याओ कियानक्सुन और हू काई की चीनी जोड़ी को 17–9 से हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम का खिताब जीता. यह सुरुचि का तीसरा विश्व कप स्वर्ण और सौरभ का नौवां स्वर्ण पदक था.

इस जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में संयुक्त 580 अंकों के साथ लास पालमास रेंज में स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाई, जिसमें सुरुचि ने सौरभ को दो अंकों से पीछे छोड़ दिया. चीनी जोड़ी ने 585 अंक के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया. फाइनल मुकाबले में भी चीनी जोड़ी ने 2–6 और 4–8 की बढ़त के साथ बढ़त हासिल की, लेकिन भारतीय कोच समरेश जंग द्वारा लिए गए टाइम आउट से मैच की गति बदल गई. सुरुचि ने पूरे मैच में शानदार शॉट लगाए और दो बार जब वह 10–रिंग से चूक गईं, तो उनके टोक्यो ओलंपियन साथी ने हाई 10 के साथ भरपाई की, जिसमें मैच के पहले हिट के लिए 10.9 शामिल थे.

बीसीसीआई का बड़ा एक्शन, गौतम गंभीर के स्टाफ से 3 कोच किए बाहर

मुंबई ,भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बॉर्डर–गावस्कर सीरीज 2024–24 में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के बाद गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ पर अपना चाबुक चलाया है. ऑस्ट्रेलिया में भारत की 1–3 से सीरीज हार के बाद अब बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ–साथ क्षेत्ररक्षण कोच टी. दिलीप और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को उनके पदों से हटा दिया है.

बीजीटी 2024–25 में रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम 1–3 से हार गई और सीरीज के दौरान कई खबरें लीक हुईं. सीरीज हारना खेल का हिस्सा है, लेकिन ड्रेसिंग रूम से खबरें लीक होना एक आश्चर्य की बात थी. ऐसी खबरें थीं कि एक निश्चित खिलाड़ी टीम का अंतरिम कप्तान बनना चाहता था, फिर एक और चौंकाने वाली रिपोर्ट आई जिसमें आरोप लगाया गया कि भारत के कोच गौतम गंभीर ने लीक हुई खबरों के लिए सरफराज खान को जिम्मेदार ठहराया था. रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने हरकत में आते हुए सहायक कोच अभिषेक नायर को बर्खास्त कर दिया है. नायर को महज 8 महीने पहले ही गौतम गंभीर का सहायक नियुक्त किया गया था. हालांकि, इस घटनाक्रम के संबंध में बीसीसीआई की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है.

ग्राउंड जीरो कश्मीर में रचेगी इतिहास

ग्राउंड जीरो की श्रीनगर (कश्मीर) में होने जा रही प्रीमियर के जरिए मेकर्स की ये खास कोशिश है कि सबसे पहले ये फिल्म उन जांबाज जवानों और आर्मी अफसरों को दिखाई जाए, जो सरहद पर खड़े होकर हमारी हिफाजत कर रहे हैं. एक्शन थ्रिलर ग्राउंड जीरो को लेकर हर दिनों जोश और उत्साह बढ़ता जा रहा है. दमदार ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म के नए–नए पोस्टर्स ने भी लोगों की दिलचस्पी और बढ़ा दी है. इसी बीच अब ये फिल्म इतिहास रचने जा रही है, ग्राउंड जीरो होगी 38 साल बाद श्रीनगर (कश्मीर) में रेड कार्पेट प्रीमियर पाने वाली पहली फिल्म. प्रीमियर 18 अप्रैल को होगा और इसे लेकर फैंस और इंडस्ट्री दोनों में जबरदस्त क्रेज है.

ग्राउंड जीरो 18 अप्रैल को श्रीनगर में होने वाले अपने रेड कार्पेट प्रीमियर के साथ नया इतिहास रचने जा रही है. हैरानी की बात ये है कि पिछले 38 सालों में श्रीनगर में किसी भी फिल्म का प्रीमियर नहीं हुआ और अब ग्राउंड जीरो इस खामोशी को तोड़ने वाली पहली फिल्म बनेगी.

नरेश अगस्त्य राबिया खातून की फिल्म मेघलु चेप्पिना प्रेमा कथा का फर्स्ट लुक जारी

मेघलु चेप्पिना प्रेम कथा का फर्स्ट लुक जारी। नरेश अगस्त्य ने फिल्म मथु वडालारा से प्रसिद्धि पाई। उन्होंने काली और विकटकवि जैसी फिल्मों में अभिनय किया। अब वह एक रोमांटिक फिल्म के साथ मनोरंजन करने आ रहे हैं और इसका दिलचस्प नाम मेघलु चेप्पिना प्रेम कथा है। इस फिल्म में राबिया खातून मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन विपिन ने किया है। निर्माताओं ने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया और यह रोमांटिक तत्वों से मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। इसमें मुख्य जोड़ी और गिटार दिखाया गया है और इसने फिल्म प्रेमियों के बीच उत्सुकता के स्तर को तुरंत बढ़ा दिया है। फिल्म में राधिका सरथकुमार मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जस्टिन प्रभाकरन संगीत निर्देशक हैं। सिनेमैटोग्राफी मोहन कृष्ण द्वारा की गई है। फिल्म का निर्माण सुनेत्रा एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है।

सिडनी टेस्ट से खुद को बाहर रखने पर रोहित शर्मा ने तोड़ी चुप्पी

नईदिल्ली,आईपीएल 2025 के समापन के बाद भारतीय टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करने वाली है. ये सीरीज 20 जून से शुरू होगी. भारतीय टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा इस दौरे को टीम इंडिया के लिए बड़ी चुनौती करार दे रहे हैं, क्योंकि भारत 2007 के बाद से इंग्लैंड में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने की उम्मीद कर रहा है. रोहित ने माइकल क्लार्क से बियॉन्ड 23 क्रिकेट पॉडकास्ट पर पिछले इंग्लैंड टूर के बारे में बात करते हुए कहा, पिछली बार जब हमने इन खिलाड़ियों के साथ खेला था, तो सीरीज 2–2 से बराबर थी. हमें इनमें से कुछ खिलाड़ियों (बुमराह और शमी) को 100त्न फिट होने की जरूरत है. जिसके बाद हमारे पास एक शानदार सीरीज होगी, और मैं जानता हूं कि ये खिलाड़ी इन दिनों किस तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं. यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक अच्छी चुनौती होगी. भारतीय कप्तान इंग्लैंड सीरीज के दौरान निश्चित रूप से आलोचनाओं का सामना करेंगे, क्योंकि वो 2024–25 बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में बुरी तरह से फ्लॉप रहे थे. 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित ने 3 मैच खेले थे और सिर्फ 31 रन बन सके थे. पहले टेस्ट में वो उपलब्ध नहीं थे जबकि आखिरी टेस्ट में खराब फॉर्म का हवाला देते हुए उन्होंने खुद को टीम से बाहर कर लिया था.

रोहित ने खुद को बाहर रहने के फैसले के बारे में भी खुलकर बात की. उनकी जगह शुभमन गिल को शामिल किया गया था और भारत ने उस मैच को भी छह विकेट से गंवा दिया था. रोहित ने पॉडकास्ट में कहा, मुझे खुद के साथ ईमानदार होना था – मैं गेंद को अच्छी तरह से नहीं मार रहा था, और मैं सिर्फ खेलना नहीं चाहता था. कुछ अन्य खिलाड़ी भी संघर्ष कर रहे थे, और हम वास्तव में चाहते थे कि गिल खेलें. वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है इसलिए हमें लगा कि वह एक मौका पाने का हकदार है.

एक नजर

गुमशुदा की तलाश की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विभिन्न वार्ड के पार्षदों ने विशनपुर-कुंभीचौड़ निवासी सुनील रावत की तलाश करने की मांग की है। कहा कि पांच दिन से सुनील रावत गुमशुदा चल रहे हैं। लेकिन, अभी तक उनका कहीं पता नहीं चल पाया है। पार्षद अनिल रावत, श्रीधर प्रसाद वेदवाल, संजय भंडारी सहित अन्य लोगों ने पुलिस को ज्ञापन दिया। कहा कि सुनील रावत के स्वजन लगातार उनकी तलाश में जुटे हुए हैं। लेकिन, अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है।

29 अप्रैल को होगा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेन्टिशिप मेला

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आगामी 29 अप्रैल को जनपद में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेन्टिशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले के सफल आयोजन हेतु श्रम विभाग, सिडकुल, उद्योग व सेवायोजन विभाग सहित सार्वजनिक उपक्रमों को आईटीआई, पॉलीटेक्निक, समस्त स्कूलों व महाविद्यालयों आदि से आपसी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के समस्त जनपदों में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेन्टिशिप मेला आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी 29 अप्रैल को जनपद में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेन्टिशिप मेला आयोजित किया जाना है। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों सहित आईटीआई, पॉलीटेक्निक, स्कूलों व महाविद्यालयों से आयोजित होने वाले मेले में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थी का निर्धारित प्रारूप पर आवश्यक विवरण उपलब्ध कराने की अपील की गई है।

गंगा को बचाना एक चुनौती : हरीश रावत

श्रीनगर गढ़वाल : गंगा सम्मान यात्रा के गुरुवार को पौखाल कांडीखाल, जखंड पहुंचने पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत एवं प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने जटलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। गंगा सम्मान यात्रा की अगुवाई कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि गंगा को बचाना एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि मां गंगा के संरक्षण संवर्धन को लेकर हम सभी को आगे आना होगा। गंगा प्रदूषित की जा रही है। गंदे नाले, मलमूत्र, सीवर का पानी गंगा में डाला जा रहा है। गंगा का दोहन एवं तटों पर अतिक्रमण हो रहा है, जिससे मां गंगा की अस्मिता को खतरा पैदा हो गया है। हरीश रावत ने गंगा की रक्षा के लिये एक मुहिम जन जागरुकता को जरूरी बताया। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि जखंड पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रहे भूदेव लखेड़ा की जन्म भूमि है। वह सामाजिक कार्यों के निराकरण के लिए जीवन पर्यंत संघर्षरत रहे। कहा कि चारधाम यात्रा को व्यवस्थित सुचारू चलाने के लिए पंडा पुरोहित, व्यापारियों, टैक्सी-बस, होटल-होम स्टे संचालकों से रायमशवरा करना जरूरी है। कहा कि इन सभी के हक हित चारधाम यात्रा से जुड़े हैं जो प्रभावित नहीं होने चाहिए। (एजेंसी)

10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

हरिद्वार। वादकारियों को सस्ता व सुलभ न्याय दिलाने के लिए उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी आगामी 10 मई 2025 दिन शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जिला जज प्रशांत जोशी की अध्यक्षता में हरिद्वार, रुड़की व लक्सर के कोर्ट परिसरों में किया जाएगा। प्राधिकरण सचिव सिमरनजीत कौर ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर पूरे देश में द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई 2025 को आयोजित की जा रही है द्वितीय शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में फौजदारी के शमनीय मामले,चेक बाउंस,बैंक धन वसूली केस, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद,लेबर वाद,पारिवारिक मामले,राजस्व वाद व अन्य प्रकार के मामलों का निस्तारण पक्षकारों की आपसी सहमति व समझौते के माध्यम से किया जाएगा।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

हरिद्वार। ज्वालापुर पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर प्रदीप बिष्ट ने बताया कि एक मोहल्ला निवासी युवती ने पुलिस में शिकायत कर बताया कि उसकी ज्वालापुर निवासी समीर से जान पहचान हो गई थी।

सवारियां ढो रहे निजी वाहन, परिवहन निगम को लग रहा चूना

ऑनलाइन एप के माध्यम से दिल्ली व देहरादून रूट पर की जाती है बुकिंग

बस अड्डे पर खड़ी परिवहन निगम की बसें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : निजी वाहन चालक ऑनलाइन एप के माध्यम से सवारियां ढोकर परिवहन निगम को चूना लगा रहे हैं। पूर्व में अभियान चलाने के बाद भी सिस्टम इन निजी वाहन संचालकों की मनमानी को नहीं रोक पाया है। ऐसे में कैसे परिवहन निगम की आर्थिकी में बढ़ोत्तरी होगी यह बड़ा सवाल है। कोटद्वार को गढ़वाल का द्वार कहा जाता है। कोटद्वार से प्रतिदिन बड़ी तादाद में यात्री पहाड़ व मैदान की तरफ आवागमन करते हैं। यात्रियों के लिए परिवहन निगम की ओर से दिल्ली रूट में प्रतिदिन 22 व देहरादून रूट पर 17 बसों का संचालन किया जाता है। त्योहार सीजन में तो परिवहन निगम को पर्याप्त सवारियां मिल जाती हैं। लेकिन, अन्य महीनों में परिवहन निगम को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। इसका मुख्य कारण कोटद्वार से मैदानी रूट को सवारी ढो रहे निजी वाहन हैं। दरअसल, एक एप के माध्यम से निजी वाहन चालक सवारियां बुक करते हैं। सवारियां वाहन चालकों द्वारा बताए स्थान पर पहुंच दिल्ली-देहरादून के लिए रवाना होती हैं। सवारियां भी बस के हिचकोले खाने के बजाए थोड़ा अधिक किराया देकर आराम से सफर करते हैं। यहां यह बताना बेहद जरूरी है कि कुछ माह पूर्व परिवहन विभाग ने अभियान चला कर एप के जरिए सवारियां एकत्र कर देहरादून की ओर जा रहे एक निजी वाहन को दबोच लिया था। माना जा रहा था कि इस कार्यवाही के बाद एप के जरिए सवारियां बुक करने के मामले कम होंगे। लेकिन, हालात पूरी तरह विपरीत रहे। आज भी प्रतिदिन 15-20 निजी वाहन एप के जरिए सवारियां ढो रहे हैं।

रेलवे परियोजना के प्रभावितों ने की दोबारा मूल्याकंन कराने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना के तहत सौड़ क्षेत्र में टनल निर्माण कार्य के दौरान की गई ब्लास्टिंग के चलते गांव के कई घरों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इससे ग्रामीणों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि 30 अप्रैल तक गांव के मकानों के दोबारा मूल्याकंन नही हुआ तो ग्रामीण बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

गुरुवार को ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम से मुलाकात कर जल्द उचित मुआवजा देने की मांग की। ग्रामीणो ने चेतावनी दी कि 30 अप्रैल तक प्रभावित घरों का दोबारा निष्पक्ष एवं विस्तृत सर्वे नहीं करवाया गया तो वो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्हें उनके वास्तविक नुकसान के अनुपात में उचित मुआवजा नहीं दिया गया है। साथ ही ग्रामीणों ने सर्वेक्षण करने वाली टीम पर भी लापरवाही का आरोप लगाया। कहा कि सर्वे टीम द्वारा ठीक से निरीक्षण नहीं किया गया, जिसके चलते मुआवजा मानकों के अनुसार नहीं मिल सका। इस दौरान मूल निवास भू-कानून समंवय संघर्ष समिति के संयोजक लूशुन टोडरिया ने कहा कि रेलवे स्टेशन निर्माण के दौरान हुई ब्लास्टिंग से ग्रामीणों के मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी है। मकानों की स्थिति जर्जर हो रही है, लेकिन इसके बाद भी जो मकानों के मुआवजे बने है उसमें बड़े स्तर में अनियमताएं बरती गई है। जिन लोगों के पुराने मकान है उनको बहुत ही कम मुआवजा दिया जा रहा है। ग्रामीण अर्जुन नेगी ने कहा कि जिस तरह से मकानों का पहला सर्वे हुआ है उससे प्रतीत होता है कि शासन स्तर से घोर लापरवाही बरती गई है न सिर्फ मकानों का गलत मूल्यांकन हुआ है, बल्कि बड़ी संख्या में प्रभावितों के नाम में भी बहुत सारी त्रुटियां हो रखी है।

शराब की दुकान का विरोध, आंदोलन जारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुधारखाल में शराब की दुकान के विरोध में चल रहा महिलाओं का आंदोलन जारी है।

महिलाओं ने शराब की दुकान नहीं हटाए जाने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। कहा कि क्षेत्र की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दुधारखाल बाजार में ग्रामीणों की मांग पर आबकारी विभाग ने इंटर कालेज की ओर जा रहे रास्ते पर खुली शराब की दुकान को शिफ्ट तो किया। लेकिन, अब इस दुकान को प्राथमिक विद्यालय के समीप खोल दिया गया है, जिससे ग्रामीणों में खासा रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग दुकान को बंद करे। मंगलवार शाम करीब चार बजे दुधारखाल बाजार में पहुंची क्षेत्र की महिलाओं ने करीब दो घंटे तक प्रदेश सरकार व आबकारी विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

खोह नदी को खनन के लिए खोलने का विरोध

: कोटद्वार तहसील में अपनी शिकायत लेकर पहुंचे नगर निगम के वार्ड संख्या चार के वार्डवासी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वार्ड नंबर चार के लोगों ने खोह नदी को खनन के लिए खोले जाने का विरोध किया है। कहा कि इससे एक बार फिर आबादी को खतरा हो सकता है। पूर्व में ही बाढ़ के कारण कई लोग बेघर हो चुके हैं। ऐसे में सरकार को अपना निर्णय वापस लेना चाहिए।

गुरुवार को पार्षद हिमांशु वर्मा के नेतृत्व में वार्डवासी तहसील परिसर में पहुंचे। जहां उन्होंने उपजिलाधिकारी को समस्या से अवगत करवाया। कहा कि सरकार ने खोह नदी में खनन का निर्णय लिया है। इसके लिए बकायदा तैयारियां भी चल रही है। लेकिन, सरकार के इस निर्णय से खोह नदी के आसपास रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। कहा कि नदी में खनन कार्यों की अनदेखी की जाती है। जिससे नदी का रुख एक बार फिर आबादी की ओर हो सकता है। वर्ष 2022 में भी खोह नदी के विकराल रूप ने गाड़ीघाट, काशीरामपुर तल्ला, कुंभीचौड़ सहित अन्य इलाकों में खूब तबाही मचाई थी। इस दौरान कई लोगों के आवासीय भवन तक बह गए थे, यह परिवार आज भी किराए के भवनों में रहने को मजबूर हैं। यही नहीं, सरकार ने भी इन लोगों को किसी तरह की मदद उपलब्ध नहीं करवाई। बताया कि ऐसे में दोबारा से खोह नदी में खनन खोलना ठीक नहीं है। जनता के हित को देखते हुए सरकार को यह निर्णय वापस लेना चाहिए। इस मौके पर देवेंद्र कुमार, रोहित शर्मा, भास्कर प्रजापति, दिनेश रावत, छाया प्रजापति, कौमल राणा, अनुज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी के हाई स्कूल के छात्र आलोक कुकरेती ने किया प्रदेश टॉप

छात्रों ने हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम, प्रदेश की टॉप टेन में छः छात्र शामिल

श्री दर्शन महाविद्यालय ऋषिकेश के पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्र शुभम ममगांई।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गुरूवार को उत्तराखण्ड संस्कृत शिक्षा परिषदीय बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया। ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी के छात्रों ने विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी प्रदेश का सर्वोच्च विद्यालय का रिकॉर्ड बरकरार रखा। हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले आलोक कुकरेती से उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने फोन पर बात कर बधाई दी। उन्होंने विद्यालय के गुरुओं को भी बधाई दी।

बोर्ड परीक्षा में पूर्व मध्यमा प्रथम वर्ष (10) में आलोक कुकरेती ने 90 प्रतिशत अंक के साथ प्रदेश में टॉप किया है। जबकि आयुष बलूनी तृतीय, प्रियांशु रतूड़ी पांचवे और अभय ने सातवां स्थान प्राप्त किया। वहीं इण्टर में शौर्य ने प्रदेश में द्वितीय व दीपाशुं ने नवां स्थान प्राप्त किया। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय प्रबन्धक राजेन्द्र जुयाल ने बधाई देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष छात्र हर क्षेत्र में ऐसी उपलब्धि हासिल करते तो हम जनपद का और हमारा गौरवान्तित महसूस करते हैं। प्रधानाचार्य अनसूया प्रसाद सुंदरियाल व वरिष्ठ अध्यापक नवीन जुयाल ने हर्ष व्यक्त हुए कहा कि यहां पर दिन-रात सब बहुत मेहनत करते है इतने वर्षों का अनुभव और त्याग का फल आज समाज में हमारे बच्चे हमेशा दिखाते हैं। आचार्य नवीन ममगांई ने बताया कि नवीन जुयाल व अनसूया प्रसाद के नेतृत्व में हमारी पूरी टीम समर्पित भाव से हमेशा काम करती है और जब भी इस प्रकार मेहनत के अनुकूल परिणाम आते हैं तो हमारी और ऊर्जा बढ़ जाती है। इस अवसर पर आचार्य अनूप कुकरेती, ईशान डोभाल, कमलदीप, नीरज, आशीष, अंकित आदि शिक्षकों ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए बधाई दी गयी।

पूर्व मध्यमा में शुभम ममगांई ने मेरिट में प्राप्त किया दूसरा स्थान

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : श्री दर्शन महाविद्यालय ऋषिकेश के पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्र शुभम ममगांई ने 500 में से 449 अंक प्राप्त कर बोर्ड की वरीयता सूची में प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन तंत्र एवं शिक्षकों ने विशेष उपलब्धि के लिए छात्र को शुभकामनाएं दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राधामोहन दास ने कहा कि यह छात्र बहुत ही मेधावी है, अनुशासित होकर विद्यालय में अध्ययनरत हैं। विद्यालय के प्रबन्धक संजय शास्त्री एवं विद्यालय के अध्यक्ष शिक्षाविद् वंशीधर पोखरियाल ने कहा कि हमारी संस्था का उद्देश्य यही है कि हमारे छात्र अपने कठिन परिश्रम एवं विस्तृत अध्ययन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर अपना नाम एवं हमारी संस्था का नाम रोशन करें। शुभकामनाएं देने वालों में मुकेश बहुगुणा, सत्येश्वर डिमरी, कमल डिमरी, डॉ. सुशील नौटियाल, आशीष जुयाल, डॉ. शांति प्रसाद मैठाणी, सीमा मैठाणी, राम प्रसाद सेमवाल, अनूप सिंह रावत, संदीप कुकरेती, गोपीचंद सिलस्वाल, पूर्णानन्द सिलस्वाल, हरीश सिलस्वाल, प्यारेलाल तिवारी आदि उपस्थित थे।

ज्वाल्पा धाम संस्कृत विद्यालय का शत प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद् देहरादून द्वारा आयोजित वर्ष 2024-25 की बोर्ड परीक्षाफल का परिणाम गुरूवार को घोषित कर दिया गया है। ज्वाल्पा धाम संस्कृत विद्यालय पौड़ी गढ़वाल के छात्र अरूण पोखरियाल कक्षा पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष ने प्रदेश स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष में कुल 07 छात्रों में से चार छात्र प्रथम स्थान व तीन छात्र द्वितीय स्थान एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष में कुल 04 छात्रों में से दो छात्र प्रथम स्थान व दो छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रबंधक राजेश प्रकाश थपलियाल ने छात्रों की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए आशा जताई कि भविष्य में सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाएं विद्यालय के परीक्षाफल को और अधिक बेहतरीन बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

120 विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड स्तरीय मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत चयन के लिए 120 विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा दिखाई।

राजकीय स्टेडियम कोटद्वार में आयोजित चयन ट्रायल प्रतियोगिता में 14 से 23 वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। स्टेडियम इंचार्ज श्याम सिंह डांगी, क्रीडा समन्वयक सिद्धार्थ कोटनाला ने बताया कि ट्रायल 16 से 19 अप्रैल तक चलेगा। जिसमें 14 से 17, 17 से 19, 19 से 21 व 21 से 23 वर्ष के बालक-बालिकाएं प्रतिभाग करेंगी। इन सभी छात्र-छात्राओं का चयन कुल 12 खेलों के लिए होना है।

इस मौके पर महेश कुकरेती, सुरेश सिंह, संजय शर्मा, वीरेंद्र भंडारी, सचिव कुमार, सुनील कुमार, विनोद रावत आदि मौजूद रहे।

बच्चों को आग से बचाव के सिखाए गुर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दमकल विभाग की ओर से स्कूल के बच्चों को आग से बचाव के तरीके बताए गए। इस दौरान जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की भी अपील की गई। अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत दमकल विभाग की ओर से स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाया गया। अग्निशमन अधिकारी रमेश चंद्र के नेतृत्व में महर्षि विद्या मंदिर, सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में अभियान चलाया। अधिकारियों ने खुले मैदान में आग लगाकर डेमो के माध्यम से उसे बुझाने के तरीकों के बारे में बताया। कहा कि गर्मी में मौसम में आग की घटनाएं बढ़ने लगी है। ऐसे में समाज में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति का जागरूक होना अति आवश्यक है। विद्यार्थियों ने स्कूल व अन्य संस्थानों में लगने वाले अग्निशमन उपकरणों की भी जानकारी होनी चाहिए। इन यंत्रों के प्रयोग के बारे में भी विद्यार्थी अपने पास जानकारी रखें। कहा कि हमें यह जानकारी केवल अपने तक ही सीमित नहीं रखनी अधिक से अधिक लोगों तक यह जानकारी सांझा करने का प्रयास करें।

19 अप्रैल को लगेगा स्वास्थ्य शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुरु राम राय कॉलेज आफ निर्सिंग एंड पैरामेडिकल कालेज में 19 अप्रैल को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर श्री महंत इंदिरेश अस्पताल देहरादून की ओर से आयोजित किया जाएगा। प्राचार्य गिरीश उनियाल ने बताया कि शिविर सुबह नौ बजे से प्रारंभ होगा। जिसमें कैंसर, ह्रदय रोग, न्यूरोलाजिस्ट, शिशु रोग, फिजीशियन, नेत्र रोग, स्त्री एवं प्रसूती रोग सहित अन्य मरीजों की जांच की जाएगी। बताया कि शिविर में जांच के साथ ही निःशुल्क दवाएं भी वितरित की जाएंगी। शिविर का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत व महापौर शैलेंद्र सिंह रावत करेंगे।

ऑनलाइन बुकिंग के लिए वाहन स्वामियों से मांगे आवेदन

जयतन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल मोटर्स आनर्स यूनियन (जीएमओयू) ने चारधाम यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी है। बदरीनाथ व केदारनाथ के लिए बसों को ऑनलाइन बुकिंग के लिए वाहन स्वामियों से आवेदन भी मांगे गए हैं। ऑनलाइन बुकिंग होने से यात्रियों व वाहन चालकों को काफी सुविधा होगी।

इस संबंध में कंपनी मुख्यालय में संचालक मंडल की बैठक हुई, जिसमें यात्रा की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। तय किया गया कि बसों को इस तरह यात्रा में शामिल किया जाएगा, जिससे स्थानीय जन के लिए भी बसों की किल्लत न हो। स्थानीय जनों की सुविधाओं का भी पूर्ण ध्यान रखने की बात बैठक में आई। तय भी तय हुआ कि बदरीनाथ व केदारनाथ यात्रा के लिए यदि बाहरी प्रदेश के यात्रा कंपनी की बसें आनलाइन बुक करवाना चाहते हैं तो कंपनी उन्हें यह सुविधा भी देगी। इसके लिए इच्छुक ऐसे वाहन स्वामियों से आवेदन मांगे गए हैं, जो बसों को आनलाइन बुकिंग पर भेजना चाहते हैं। चार धाम यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर कंपनी की ओर से रेड बस एप से भी अनुबंध किया गया है, ताकि बाहरी राज्यों में बैठे यात्री रेड बस एप के जरिए घर बैठे बस में अपनी सीट बुक कर सके। कंपनी अध्यक्ष भाष्करानंद भारद्वाज की अध्यक्षता में हुई बैठक में महाप्रबंधक विजयपाल सिंह, संचालक अर्जुन सिंह रावत, बलराज सिंह रावत, गजे सिंह रौथाण, यशवंत नेगी, गणेश जुयाल, विपिन चंद्र, नरेंद्र नेगी, पर्यटन अधिकारी अनिल बरगली व यातायात प्रबंधक दीपक नेगी मौजूद रहे।

कोटद्वार जीएमओयू का कार्यालय जहां से बसों का संचालन किया जाता है

भाषण में आयुष और पोस्ट में कार्तिक ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : निर्वाचन विभाग के तत्वावधान में स्वीप के तहत गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में आयुष नौडियाल, पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में कार्तिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में सीडीओ गिरीश गुणवंत ने सभी छात्र-छात्राओं को मतदान की शपथ दिलाई। कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक कर्तव्य भी है। उन्होंने छात्रों को समझाया कि हर वोट का महत्व है और उनके द्वारा किया गया एक भी वोट देश और समाज के भविष्य को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कहा कि 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्र आने वाले कुछ वर्षों में 18 वर्ष की आयु पूरी कर लेंगे और उन्हें भी मतदान का अधिकार प्राप्त होगा। इसलिए, अभी से इसके महत्व को समझना और जागरूक होना आवश्यक है। इस दौरान शिक्षा से जागरूकता, जागरूकता से मतदान विषय पर भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 12 के छात्र आयुष नौडियाल, 11वीं के छात्र अंकित कुमार, आयुष नेगी, पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में कक्षा 6 के कार्तिक,10वीं के जैद सलमानी व हर्षित ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में शिखा रही अव्वल

आयोजित प्रतियोगिता के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित करते प्राचार्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में बीए की छात्रा शिखा गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान प्रतियोगिता के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

चित्रकला परिषद के तत्वावधान में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने कहा कि विद्यार्थियों को महाविद्यालय में होने वाली प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। प्रतियोगिता में शिखा गौड़ ने प्रथम, नेहा ने द्वितीय व बादल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साक्षी बिष्ट, खुशी कुकरेती व कामिनी नैथानी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता के संयोजक एवं विभाग प्रभारी डा. विनोद सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए समय-समय पर इस तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

19 अप्रैल को रायड़ी में आयोजित होगा जन दरबार

रूद्रप्रयाग : उप वन संरक्षक 19 अप्रैल (शनिवार) को विकासखंड जखोली के अंतर्गत ग्राम पंचायत रायड़ी में भ्रमण करेंगी। इस दौरान वह गांव का भौतिक स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही जल संरक्षण एवं जल संवर्द्धन से संबंधित कार्यों का शुभारंभ करेंगी। उप वन संरक्षक कल्याणी ने बताया कि सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार (19 अप्रैल) को प्रातः 11 बजे ग्राम पंचायत रायड़ी में ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान् तहसीलदार महोदय कोटद्वार गढ़वाल

वाद संख्या /2023

दर्शन सिंह बनाम सहखातेदार

समन बनाम्- सुमित्रा देवी पत्नी चन्दन सिंह, सुल्तान सिंह, कृपाल सिंह, विक्रम सिंह पुत्रगण चन्दन सिंह निवासी ग्राम काण्डई, पट्टी अजमेर वल्ला, पो0 बल्ली, तहसील कोटद्वार गढ़वाल

हरगाह प्रार्थी ने एक प्रार्थना पत्र विरासतन दाखिल खारिज में नाम छूटने बाबत आपके विरूद्ध मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसमें सुनवाई हेतु दिनांक 30-04-2025 की तिथि नियत है।

अतः आपको आदेशित किया जाता है कि आप नियत तिथि दिनांक 30-04-2025 को ठीक 10 बजे प्रातः मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मामले की पैरवी करें। अन्यथा आपके विरूद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 19-03-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

न्यायालय तहसीलदार
कोटद्वार गढ़वाल।

(0927/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	23-DRM-MB-25-26 Date 17.04.2025
कार्य का नाम	Provision of cover shed over LHS 44C, 59 and 71 in the ON-BLM section under SSE/W/BLM in the jurisdiction of ADEN-II-HRI.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	14.05.2025, 16:00
अनुमानित लागत	रु. 1,87,00,488.81
धरोहर राशि	रु. 2,43,500.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	30.04.2025
आफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह

सं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 17.04.2025 1140/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / मुख्यालय / मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चौक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	06-DRM-MB-25-26 dt. 16.04.2025	07-DRM-MB-25-26 dt. 16.04.2025
Name of work	Improvement to quarter for Officer's in the section of ADEN/HQ/MB.	Heavy repair to quarter & offices of MB Division & Improvement of Officer's Rest House (ORH) at Moradabad in the section of ADEN/HQ/MB.
Tender Closing Date/Time	12.05.2025	12.05.2025
Advertised Value (₹)	74,99,995.71	84,99,990.95
Earnest Money (₹)	1,50,000.00	1,70,000.00
Tender Cost (₹)	-	-
Bidding Start Date	28.04.2025	28.04.2025
Period of Completion	06 Month	06 Month

पत्रांक – 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक – 16.04.2025 1138/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

निर्माण कार्य को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्णक पूर्ण किया जाए: जोशी

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गढ़ीकैंट क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री जोशी ने निर्माण कार्य से संबंधित कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्णक पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धामी सरकार की विशेषता है, कि वह जिन परियोजनाओं का शिलान्यास करती है, उनका लोकार्पण भी सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि यह अत्याधुनिक सामुदायिक भवन गढ़ीकैंट क्षेत्र की जनता के लिए एक बहुउपयोगी संसाधन होगा, जिसका उपयोग शादी–विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण होते ही यह भवन जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

सूबे के स्वास्थ्य विभाग को मिले 34 एक्स–रे टेक्नीशियन

देहरादून। सूबे के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 34 नये एक्स–रे टैक्नीशियन मिल गये हैं। राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से चयनित इन सभी एक्स–रे टैक्नीशियन को प्रदेश के पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विभिन्न चिकित्सा इकाईयों में तैनाती दी जायेगी। जिससे इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ हो सकेंगी। इसके अलावा चयन बोर्ड ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत 31 नर्सिंग ट्यूटर तथा 7 सोशल वर्कर के पदों पर भी भर्ती परिणाम घोषित कर दिये हैं। इनकी नियुक्ति राज्य के विभिन्न राजकीय नर्सिंग कॉलेजों व मेडिकल कॉलेजों में की जायेगी।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रभारी महानिदेशक डॉ. सुनीता टम्टा ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की सक्रियता एवं निरंतर समीक्षा का प्रतिफल है कि विभाग में लम्बे समय से रिक्त पड़े पदों पर समयबद्ध तरीके से भर्ती आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को 34 एक्स–रे टैक्नीशियन का अधियाचन भेजा गया था, जिसके क्रम में चयन बोर्ड द्वारा भर्ती का अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया गया है। इन सभी चयनित एक्स–रे टैक्नीशियनों को शीघ्र ही पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्र के चिकित्सालयों में प्रथम तैनाती दी जायेगी। उन्होंने बताया कि एक्स–रे टेक्नीशियन की नियुक्ति से जहां चिकित्सा इकाईयों में एक्स–रे, अल्ट्रासाउण्ड व सीटी स्कैन जैसी महत्वपूर्ण जांच सेवाओं में सुधार होगा वहीं मरीजों को समय पर जांच रिपोर्ट भी मिल सकेगी। जिससे उन्हें निजी डायग्नोस्टिक सेंटर के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

मेयर ने वार्डों के लिए रवाना किए चार फॉगिंग वाहन

देहरादून। नगर निगम ने डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए तैयारियां तेज कर दी है। मेयर सौरभ थपलियाल ने मंगलवार को फागिंग के लिए चार वाहन और लार्विसाइडल के छिड़काव के लिए पांच टैंकरों को रवाना किया। इसके साथ ही 100 छोट फॉगिंग मशीनें भी सभी वार्डों में पहुंचा दी है।

मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि किसी की ओर से जल भराव या ऐसे स्थान जहां पर निर्माण हो रहा हो, वहां पर खुले में पानी का स्टोर किया जा रहा हो तो उनको चेतावनी जारी कर कार्रवाई की जाए। कहा कि डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए नगर निगम तत्पर है। इसके लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है।

युवाओं में बढ़ते ई-कल्चर को पी-कल्चर में बदला जाए : धामी

विधानसभाओं में होगा विधायक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : राज्य की समस्त विधानसभाओं में विधायक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इससे खिलाड़ियों को एक मंच के साथ ही नई प्रतिभाओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। युवाओं में बढ़ते ई-कल्चर (इलेक्ट्रॉनिक संस्कृति) को पी-कल्चर (प्ले ग्राउंड संस्कृति) में बदला जाए। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में युवा कल्याण विभाग की गेम चेंजर योजनाओं की समीक्षा बैठक लेते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर युवाओं को खेलों से जोड़ा जाए। युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए उन्हें साहसिक खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण, सेना, अर्द्धसेना और पुलिस बलों में भर्ती पूर्व प्रशिक्षण दिया जाए। उनके बेहतर भविष्य के लिए परामर्श केंद्र स्थापित कर उन्हें, शिक्षा, रोजगार और अन्य पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया जाए। युवाओं में नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम किये जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की समस्त खेल परिसंपत्तियों को अधिकतम उपयोग में लाने के साथ ही उनके रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। राज्य के सभी बहुद्देशीय हॉल में खेल गतिविधियों के साथ ही स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित होती रहे। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अच्छे प्रशिक्षण के साथ ही अधिकतम सुविधा देने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव को गेम चेंजर योजनाओं की नियमित समीक्षा के भी निर्देश दिए। सीएस पूर्व से चल रही योजनाओं में सुधार के लिए बनाई गई कार्य योजना की अपने स्तर से समीक्षा करेंगे। जिससे योजनाओं को बेहतर तरीके से धरातल पर क्रियान्वयन किया जाएगा और पात्र व्यक्तियों को अधिकतम लाभ मिलेगा। बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण विकास परिषद विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, आर मीनाक्षी सुंदरम, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, निदेशक खेल प्रशांत आर्य सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

फसलों की औसत उपज और उत्पादन के आंकड़ों का किया संकलन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेट ने गुरूवार को जिले में फसलों की औसत उपज और उत्पादन के आंकड़े संकलन को लेकर विकासखंड कोट के भट्ट गांव में जौ की फसल पर की जा रही क्रॉप कटिंग का जायजा लिया। इस दौरान संयुक्त मजिस्ट्रेट ने स्वयं भी जौ की सफल कटाई की।राजस्व विभाग ने भट्ट गांव के कृषक कमला देवी व राम सिंह के जौ के खेत में 30 वर्ग मीटर का प्लाट बनाकर सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से क्रॉप कटिंग का प्रयोग किया। जिसमें दोनों के खेतों में 12 किलो 500 ग्राम जौ की फसल प्राप्त हुई। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने खेत का नक्शा, खसरा, रजिस्टर आदि भू-अभिलेखों की जांच करते हुए किसानों से बोये गए जौ के बीज के बारे में जानकारी ली। कहा कि क्रॉप कटिंग प्रयोगों के आधार पर ही जिले में फसलों

की औसत उपज और उत्पादन के आंकड़े तैयार किए जाते हैं, जिससे जिले में हो रहे उत्पादन की सटीक जानकारी हासिल की जाती है। कहा कि क्रॉप कटिंग के प्रयोगों से प्राप्त उत्पादन के आंकड़ों के आधार पर क्षतिपूर्ति और फसल बीमा की राशि निर्धारित की जाती है। क्रॉप कटिंग के दौरान कमला देवी के खेत में 6 किलो 300 ग्राम व राम सिंह के खेत में 6 किलो 200 ग्राम जौ की फसल प्राप्त हुई। इस मौके पर तहसीलदार पौड़ी दीवान सिंह राणा, कानूनगो राजेंद्र नेगी, राजस्व उपनिरीक्षक सुनली रावत सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

डीएम के प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' से समृद्ध आत्मविश्वासी बनते जिले के सरकारी स्कूल

देहरादून। सीएम की सकारात्मक ऊर्जा से प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' के तहत् सरकारी स्कूलों को पठन–पाठन आधुनिक तकनीक से स्कूलों को स्मार्ट बनाने के डीएम सविन बंसल के प्रयास धरातल पर उतरने लगे हैं। जिसके अन्तर्गत वित्तीष वर्ष 2024–25 मार्च में दुर्गम क्षेत्र चकराता, कालसी के स्कूलों को फर्नीचर उपलब्ध करा दिया गया हैं तथा शेष विकासखण्ड विकासनगर, सहसपुर, रायपुर व डोईवाला में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत फर्नीचर आच्छादित करने हेतु ओएनजीसी ने कार्य आदेश जारी कर दिया है। स्कूलों को स्मार्ट बनाने के इस कार्य में ओएनजीसी व हुडको द्वारा सहयोग किया जा रहा है। जिलाधिकारी के इस महत्वाकांक्षी प्राजेक्ट में हुडको द्वारा स्कूलों में पठनपाठन व्यवस्था हेतु आधुनिक उपकरण एलईडी के लिए 2.5 के कार्य प्रोसेस में हैं, जबकि ओएनजीसी ने 1.5 करोड़ के फर्नीचर एवं उपकरण में सहयोग कर रही है। ओएनजीसी ने विकासखण्ड चकराता, कालसी स्थत सरकारी स्कूलों को वर्ष 2024–25 में फर्नीचर युक्त कर दिया है तथा वर्ष 2025–26 के लिए विकासखण्ड डोईवाला, रायपुर, विकासनगर व सहसपुर स्थित स्कूलों में फर्नीचर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकारी स्कूलों के बच्चों को पठन–पाठन की आधुनिक तकनीक से जोड़कर, भविष्य की स्पर्धा के लिए मजबूत करना है प्रशासन का लक्ष्य जल्द ही स्कूलों में एलईडी स्क्रीन के माध्यम ऑनलाइन पढ़ाई हो सकेगी ।

राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग

देहरादून। राज्य निर्माण आंदोलनकारी सम्मान परिषद सदस्य नरेन्द्र कुमार क्षेत्री ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया जल्द प्रारंभ करने की मांग की है। डीएम के मार्फत सीएम को भेजे ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि 31 दिसम्बर 2021 से ही प्रदेश में करीब 15 सौ आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया रुकी हुई है, इन्हीं में 30–32 आंदोलनकारी पत्रकारों की चिन्हीकरण की प्रक्रिया भी शामिल है। सम्मान परिषद का सदस्य होने के नाते वह खुद चिन्हींकरण प्रक्रिया का अंग रहे हैं। लेकिन अधिकारियों की हठधर्मिता और लापरवाही से इस प्रक्रिया का लाभ आंदोलनकारियों को नहीं मिल रहा है। राजभवन से भी चिन्हीकरण की प्रक्रिया को लेकर निर्देशित किया गया था,

चौपाल में ग्रामीणों ने दर्ज कराई मूलभूत समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत वन विभाग द्वारा विकासखंड एकेश्वर के मोदांड़ी गांव में चौपाल का आयोजन किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी 15 शिकायतें दर्ज कराई। डीएफओ ने बताया कि चौपाल में प्राप्त अन्य विभागीय शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर उनका त्वरित निस्तारण करते हुए उसकी रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय को प्रस्तुत करने को कहा गया है।

चौपाल की अध्यक्षता कर रहे डीएफओ सिविल एवं सोयम पवन सिंह नेगी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार इस चौपाल का आयोजन किया गया। कहा कि चौपाल का मकसद ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुनना और उनका त्वरित समाधान करना है। बताया कि चौपाल में ग्रामीणों ने पेयजल किल्लत, कृषि विभाग से बीज वितरण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उद्यान विभाग और वन्यजीवों से संबंधित समस्याएं रखी। पेयजल समस्या को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारी ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों और अन्य योजनाओं के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। वहीं जंगली जानवरों की समस्या को लेकर डीएफओ ने संबंधित वन क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये हैं। इस मौके पर वन क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार, बाल विकास विभाग से शारदा रानी, ग्राम्य विकास विभाग से प्रीति नेगी, राजस्व उप निरीक्षक बबीता सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

बुडोली गांव में अधिकारियों ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

पौड़ी : जिलाधिकारी गढ़वाल के निर्देश पर पशुपालन विभाग द्वारा विकासखंड एकेश्वर के बुडोली गांव में सरकार जनता के द्वार चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर कुल 8 शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखी। चौपाल में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विशाल शर्मा ने बताया कि अधिकतर शिकायतें पेयजल और जंगली जानवरों के संबन्ध में रही। उन्होंने संबंधित विभागों को समस्याओं का निस्तारण कर आख्या प्रस्तुत करने को कहा। चौपाल में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने क्षेत्रीय पशु चिकित्साधिकारियों को खुरपका–मुंहपका रोग के टीकाकरण अभियान को गति देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने एनआरएलएम के क्षेत्रीय अधिकारी को स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अचार, जूस, अगरबत्ती सहित अन्य के प्रशिक्षण देने को कहा। उन्होंने ग्रामीणों को डेयरी, बकरी पालन व कुक्कुट पालन जैसे स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

डीएम ने की कार्य योजना की समीक्षा, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को ग्राम्य विकास, रीप व एनआरएलएम की केन्द्र सेक्टर व राज्य सेक्टर के अन्तर्गत वर्तमान प्रगति, आगामी वर्ष की कार्य योजना को लेकर समीक्षा बैठक ली।

जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबंधक रीप को जनपद में बहु हितधारक कार्यशालाओं का आयोजन करने, आदर्श ग्राम सारकोट में ग्रामोत्थान परियोजना से उद्यम स्थापित करने व मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव मेले के संबंध में रीप को उत्सवों से पूर्व स्टॉल लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिला विकास अधिकारी को एनआरएलएम के अन्तर्गत स्थानीय उत्पादों की गुणवता बढ़ाकर स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन व सीएलएफ से निर्मित स्थानीय उत्पादों को मार्केट लिंकेज के अवसर उत्पन करने को कहा, जिससे उनकी आजीविका बढ़ सके।

उन्होंने विभिन्न विभागीय कन्वर्जेंस योजनाओं को मनरेगा के माध्यम से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला परियोजना प्रबंधक ममराज चौहान ने बताया कि रीप के अन्तर्गत 25 सीएलएफ संचालित हैं, वहीं अल्ट्रा पुअर एक्टिविटी के तहत 300 लाभार्थियों को डेयरी, मुर्गी पालन, रिटेल शॉप, सब्जी उत्पादन के लिए सहायता दी गयी है। इस दौरान परियोजना निदेशक आनंद सिंह, जिला विकास अधिकारी केके पंत, जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामोत्थान ममराज चौहान, सहायक अर्थ संख्या अधिकारी भूपाल सिंह चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व पुस्तक दिवस पर प्रदेशभर में चलेगा मतदाता जागरूकता अभियान

देहरादून। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे ने गुरुवार को सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जनपद के मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं सहायक जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ विश्व पुस्तक दिवस सहित अन्य स्वीप गतिविधियों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। बैठक में सभी जनपदों ने विश्व पुस्तक दिवस के लिए की गई अपनी तैयारियों एवं योजना की जानकारी दी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम के निर्देशन पर प्रदेश के पारंपरिक त्योहार, पर्व एवं राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय दिवसों को निर्वाचन और मतदाता जागरूकता अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जनपदों में

विभिन्न मतदाता जागरूकता क्रियाकलाप होंगे। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जनपदों को आदेश दिए कि विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर जनपद मुख्यालय के पुस्तकालयों या महाविद्यालयों में स्वीप के अंतर्गत पुस्तक प्रदर्शनी, मतदाता शपथ, रंगोली प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, नए युवा मतदाताओं को सम्मानित किया जाना, प्रसिद्ध लेखक–वक्ता का संबोधन तथा सम्मान, मतदाता पंजीकरण शिविर, सेल्फी प्वांइन्ट सहित अन्य रचनात्मक क्रियाकलाप करवाए जाएं।

26 अप्रैल को उत्तराखंड दौरे पर रहेंगे केन्द्रीय सहकारिता मंत्री

देहरादून। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आगामी 26 अप्रैल को उत्तराखंड के दौरे पर रहेंगे। वह देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे, इसके साथ ही वह सहकारिता विभाग की भी समीक्षा बैठक लेंगे। केन्द्रीय मंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिये। सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज विधानसभा स्थित सभाकक्ष में सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने विभागीय अधिकारियों को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के उत्तराखंड दौरे को लेकर सभी तैयारियां पुख्ता रखने के निर्देश दिये। डा. रावत ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्री आगामी 26 अप्रैल को उत्तराखंड दौरे पर रहेंगे। अपने दौरे के दौरान वह देहरादून स्थित एफआरआई प्रेक्षागृह में भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड के कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इसके उपरांत केन्द्रीय मंत्री उत्तराखंड सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक लेंगे। जिसमें विभाग द्वारा राज्य में संचालित विभिन्न सहकारी योजनाओं, सहकारी बैंकों एंव समितियों की प्रगति सहित विभाग द्वारा किये गये नवाचारी कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण दिया जायेगा।

साधन सचिवों ने नई नियमावली के खिलाफ खोला मोर्चा

देहरादून। साधन समिति सचिव परिषद ने उत्तराखंड पैक्स सेवा नियमावली 2025 के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस नई नियमावली के खिलाफ 18 अप्रैल से आंदोलन के रूप में पूर्ण बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। परिषद ने शासन पर सुझावों की अनदेखी का आरोप लगाया। प्रदेश अध्यक्ष हर्षमणि नौटियाल ने कहा कि परिषद को विश्वास में लिए बिना सीधे नई नियमावली जारी कर दी है। सभी पैक्स कैडर सचिव, कर्मचारी इसका पूर्ण रूप से बहिष्कार करेंगे। कहा कि कर्मचारियों, समितियों के सुझावों को शामिल करने के बाद नियमावली को संशोधित किया जाए। ऐसा न होने पर अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल होगी।

युद्धस्तर पर जारी है आईएसबीटी चौक से आउट-फॉल तक ड्रेनेज सिस्टम और नाले की सफाई कार्य

देहरादून। सीएम के निर्देश पर अपनी नवरचित आईएसबीटी ड्रेनेज प्लान को लेकर डीएम सविन बंसल निंरतर मॉनिटिरिंग कर रहे हैं। डीएम ने विगत दिवस शहर में संचालित निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए सम्बन्धित कार्यदायी संस्था तथा ठेकेदारों को धीमी कार्य प्रगति पर फटकार लगाते हुए कार्यों पर तेजी से कार्य के निर्देश दिए थे। डीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि इस वर्ष माननीय सीएम को आईएसबीटी पर जलभराव संकट को लेकर कोई विसिट ने करनी पड़े इससे पहले ही वर्षाकाल से पूर्व ड्रेनेज कार्यों को पूर्ण किया जाए। डीएम ने आईएसबीटी पर धीमी कार्य प्रगति पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते कार्यों में आ रही रूकावटों के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। डीएम ने सख्त निर्देश दिए है कि मावश्रम,मटेरियल, मशीनरी को डबल करें, यह कार्य उनको मई से पूर्व मुक्कमल चाहिए। वर्षों से मानसून सीजन में नासूर बने आईएसबीटी चौक अब जलमग्न नहीं होगा इसके लिए युद्धस्तर पर कार्य गतिमान हैं। अब रात दिन चलेगा इसके लिए डीएम ने आदेश जारी किये है।आई०एस०बी०टी० क्षेत्र में जलभराव की समस्या के दृष्टिगत स्मार्ट सिटी द्वारा शिमला बाईपास से मुस्लिम बस्ती की ओर सीवर लाईन बिछाने का कार्य गतिमान है, साथ ही उच्च निदेशानुसार वर्ष 2015–16 में ए०डी०बी० द्वारा निर्मित सीवर लाईन जो कि वर्तमान में जल संस्थान पित्थूवाला खण्ड को हस्तांतरण है, जिनके द्वारा अनुरक्षण का कार्य कराया गया था जो लाईन आई०एस०बी०टी० से मुस्कान होटल प्वाईट पर चोक है जिस कारण जल संस्थान द्वारा सीवर का ओवरफ्लो ड्रेनेज में किया गया है, जिस कारण निकटवर्ती क्षेत्रो मे जलभराव एवं दुर्गंध फैल रही है। उक्त समस्या के निस्तारण हेतु मुस्कान होटल के निकट की चोक को ठीक करने के साथ ही स्मार्ट सिटी द्वारा बिछाई जा रही ड्रेनेज लाईन (1600 एम०एम० व्यास) को शीघ्र बिछाने हेतु दिन रात कार्य किया जाना है। जिसके लिए शिमला बाईपास चौक से सेन्ट जूड चौक एवं आगे की ओर लगभग 300 मीटर लम्बाई तक यातायात डायवर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक यातायात को निर्देश शिमला बाईपास चौक से सेन्ट जूड चौक एवं आगे की ओर लगभग 300 मीटर लम्बाई तक यातायात डायवर्ट किये जाने हेतु 7 दिनो की अवधि तक सिंगल लेन को यातायात से मुक्त रखा जायेगा।

राज्यपाल ने चारधाम यात्रा की तैयारियों के संबंध में ली बैठक

उत्तराखण्ड की पहचान और हमारी आर्थिक व्यवस्था से जुड़ी है चारधाम यात्रा– राज्यपाल

देहरादून। राजभवन में गुरुवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने उत्तराखण्ड चारधाम यात्रा की तैयारियों के संबंध में एक बैठक ली। बैठक में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ चारधाम यात्रा से जुड़े जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य विभागीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मौजूद रहे।

राज्यपाल ने कहा कि चारधाम यात्रा उत्तराखण्ड की पहचान है यह यात्रा हमारी आर्थिक व्यवस्था और आस्था से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025, राज्य स्थापना की रजत जयंती का वर्ष है, इस बार की यात्रा को एक पर्व और उत्सव की भावना से आयोजित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि यात्रा का संचालन केवल 9 से 5 की ड्यूटी न समझा जाए, बल्कि इसे पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक तीर्थयात्री हमारा एक ब्रांड एंबेसडर है, जो अपने अनुभवों को देश–विदेश में साझा करेगा। प्रत्येक तीर्थयात्री का स्वागत, सेवा और आतिथ्य इस भावना से किया जाना चाहिए कि वह सुखद और अविस्मरणीय अनुभव लेकर लौटे। उन्होंने कहा कि यात्रा को सहज, सुगम और व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए अन्तर्विभागीय समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को सूचना देने के लिए मोबाइल ऐप, पोर्टल और डैशबोर्ड जैसी तकनीकी सुविधाएं अद्यतन रखी जाएं जिससे उन्हें कोई असुविधा न हो।राज्यपाल ने अधिकारियों से आकस्मिक परिस्थितियों के लिए एक प्रभावी योजना तैयार रखने को कहा, जिसे आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लाया जा सके। राज्यपाल ने यात्रा मार्ग पर मुनाफाखोरी, अनुचित मूल्यवृद्धि पर सतर्क दृष्टि रखते हुए दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने चारधाम यात्रा से संबंधित कार्यों के डॉक्यूमेंटेशन किए जाने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने प्रोएक्टिव, प्रिपेयर्ड और प्लान्ड तरीके से यात्रा का संचालन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अभी तक की तैयारियों पर संतोष व्यक्त

किया। बैठक में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने अवगत कराया कि चारधाम यात्रा मार्गों में शासन के 04 सचिवों द्वारा यात्रा मार्गों की तैयारियों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार जिलाधिकारियों को अनुपालन हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके स्तर पर यात्रा के सफल संचालन की बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए हैं। डीजीपी दीपम सेठ ने अवगत कराया कि यात्रा मार्गों पर यात्रा प्रबंधन के लिए 6 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही 17 कंपनियां पीएसी की भी तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया कि पूरे यात्रा मार्गों पर 2 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं 14 ड्रोन के माध्यम से यात्रा की निगरानी भी की जाएगी। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने बताया कि पहली बार प्रत्येक 10 किलोमीटर की परिधि में एक सेक्टर बनाया गया है कुल 137 सेक्टर बनाए गए हैं, इसमें 02 पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी जो भीड़ और ट्रैफिक प्रबंधन करेंगे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com